

नय्यलयाय मानसकृत्यालिखानधयमतवडाकद्रुया ४ सनकादिमधियाता नय्यलयाय
 ऊवत पिरुयाताविय कृष्णतीवत धूपदीपचन्दनपुष्पादतादिन दवपूजाय होमयायः
 वाक्कलयाधता॥ कविर्वेद्य १ गूड ३ वलि विधयवडाक्कल गुरुकृष्णवाकाव वेधयवकर्म
 याय रूमिस्तस्मानयाकाव थवग्रसयाय मन्दलदयकाव ताप्रयागजलनय मूत्रघृण
 दिक्कगुलिततय १ जल विष्णुमानयावक विधयवस्थाधक मूत्रश्रादतिविय जल १ १ १
 जमविधयववत्रुलमानकाव विधयवस्थाधक मूत्रश्रादतिविय दक्षिणमुखनमूर्जमापि
 हलाकयातं पिरुयितामहादित्तका गुरुयातं गुरुसर्वाहृतयाता नखिवलयातं लक्ष्मीसगल
 यातं जम्पायातं पूर्वमुखनविय १ धर्तलिथव १ १ १ मिश्रदियातं विय दव मनुष्ययं गुरु
 कपिलादीयकवासकी देह धृतपित्तव रूत धन सन्नम मूत्रकायाव सखीरुयाववधियः
 कृत्तिन पीपीलीकीलयतं गमदिमूत्रविय जलविय कंसकलसखीरुयमातलधाय पित्त

मदुर्गममहाप्रगापि विद्यादिसुजर्मरुयुधमीसयाताजलमूत्रवियसखीरुयावसुवर्गपाफ
रुयमालकायुवउर्दगहनगर्गदवशादिनैजनमूत्रवियानरुफिरुयमालधकायकुतिमूत्र
नयतावाक्यायववियजलवियआनाकयागर्ग॥४॥रुमूलर्क॥विधयवयाथ(थ)ऐलाकुरुफि
याकधकर्मनधवाकृतयाकर्म॥सुडयामूत्रसंग्रहवेधयवकर्मममावासिनसवलथ॥५॥
पू॥मृतिथिववमउसुसवातसुगुलिदालीपेहायावसुयमूद्रुहमागुलवलसामूत्ररुल
मूलजलसमाययायपूजायायवाउशपवालरुया(थ)मृतीथपूजायायनिमिलीनववक्रामृ
तिथीमखधवग्रामसंवाठक्रामृतिथीमखनामखलक्रमलयाक्राजार्तमलयाक्रागनमिवा
स्यथवकनिववक्राधमृतिथीधायकुधानरुयानपीठलपानैकतमिधववाकलजातधउ
रुममृतिथीरुानीमृतिथीवलकावधयकर्मतववदनगुलनैरुननैकलनैसाधायनैस
लानैमृतिथीनैवक्रा(थ)रुलपावपूजायायथीनयाकमनाक्रामृतिथीमृरुनमृतिथीसंगाः

अथाह पूजायात सावकुरुत्यामावत रुय् अतिथीसंगायमया संधमग्रन्ननय धर्मा अतिथीयापाप
लाकरुता अन्नसद्यवियाव धव गृहीनं धर्मनर्त धर्मलक्षणाव कुरु रुय् ॥ शमर्क ॥ थाथ अतिथी
आसायादावयू निनासायादाव क्काकर्का अतिथीयापाप धव गृहीयाता वियाव धव गृहीयाप धव दका
कायाववानिव ॥ थावकं दव अन्न आदिन धर्मनयाव मु अतिथी विसर्ग सुकायमरुलसायापमद थ
महिंनयाव अतिथीयाता महिं विलसानर्कवान रुय् ॥ धर्म अतिथी विधान ॥ धव गृहकृत निरुग्रह
याप अन्नादि यवा मृगादीन मरुत सातिन न उदकन पिबु धय जाफल विय मरुत्सा कुरु उ पिबु
जाफल विय थ (धर्म मरुत्सा धर्मनय वल ग जाहुल लाह तं कुरुति जाकायाव काखजा तय थाव वा
ग कुरुति कं काकायाव हिदु विय तव स्वग्रस्तय तव ॥ हिदा विय प्रमान कुरु पद नवा क अन्न हि
काधाय ग्रह सव उदुय अग्र हिदा ४ (ग्रह वा निरु विय था थाव मुया अन्न सार्न दानयाय थाव धा थ
सपा ग ल प मरुत्सा न धर्मनगायाय जा कं कुरु यवल न दपिया कायाव कान रुला याता विय हं तर्क

लहिका वाय अग्रहिका ४ कायाव विर्यं नव सानकां नव ध्वन्नविय समस्तं सना मया ठाव थमन
यहीनामकान धृति (ग) षी आदि हो जनया सक वालक सावाता नक अती बुद्धा दि अनाथादि ध
नैनकाव थमनय ह्मातिजन ०० कृतिजनयावकं स्वर्गप्राक श्वयारुलधितवक शय ॥ थव ह्माति
दुखीरुलठाव वासयमया तसा मरुदुखी शयावरुय ॥ वीवातेशवम क्रितनवव अतिथीनक
॥ श्रुतक ॥ धर्मगुरु ग्राम सवा ठाव या तसा पुनैय नैयायमद ॥ गमस्तु आग्राम सवा ठाव
म ॥ पूर्वगव काया पूष अशीसन ह्माया गुरुया धनदवक्रा धव पिरु वधि व मामवव गुयुकी
खिवावा दालादि धनया गाविय वैस्वयं वकर्मथा ठाव संधाकाल संधवया गाविय मसि अन्न
साकापी धवकं कृदना डाव मुमवि स थमनयमतव पातक नला धायधक ॥ नित्यकर्म निति
रुिक कर्म ॥ श्रुतक ॥ गुरुक्या गीपकाल कर्म कंता नित्यकर्म नैमिरुिक पर्वदि मिश्रक
मरुता ध्वस्तना कर्मलातठावयाय सोवादि अतिथी सवादि प्रजक पवकर्म निति रुिकर्म

कलया पूजागायिका नोमिरिक कर्म नादि मखादि निर्य नोमिरिक यवप्रधादि ॥ नादिम
खप्रार्धवदल क्वादीप्रालेवाला वउरुनमखीतन पूर्वमखीतव पूजायाय विन्धयवमाल म्माल
दववाकलनका नतका नका कसासका जिमककादिव सशरुन ॥ सपिणीकनलसाई
थाथयाय दांसांसायायसाई ॥ जोरु ककावाकलनगभक विन्धयवमाल अर्घपावकय
ल आवाहनयाय म्माल अर्घपावकयाय म्माल ग्वमिथी नामउवा नलया दाव क्वल
वियउकुगनपा सन्निपस म्माल विय अय सशकर्मन अकतमाने वाकल विसर्जलयाय मासि
कप्रार्धसर्वसुनडाउ (थ) दाकि नजिमखगलुथय दाकि संपूर्णरुक्म सपिणीकनलप्रार्ध
याय दवपूजायायमाल वकादिरुथधूनकोव थकद्र यागदयकं ४ जलगंधादि असमर्थ
नपाव पितृ पितामह सपिनामरुन १ दवा सिकायार्त अयुग स्त्रीया पितृकनलयाय मद
पुत्रदवयामखागिप्रशति दलपिभुदि सपिणीकनलदियाय धमदत्तास्त्रागिवधून ध

ॐ मयत्सा नानाविधाया दाव विगुथय वृक्ष क प्रियां थथे लनजातनीयावक ॥ हायूग मूलक
॥ समस्तया पिताना जा ध्वनन विनाया यमाल ॥ धने निहिक कर्म ॥ रुत निरुने निहिक कर्म
यदं विहया विगुथल छाव विह पितामह प्र पितामहया हस्तन पडुथा क मूयन पका दिवि
ह ३ रुतनय ३ द्रस्यून वृक्ष विगुथवर्क द्रस्यून वृक्षया विहय व शलवानि व ध्वनय
लथया मकाव ॥ धूय पूय गन्धादि नत्रका दि पितावा दिया ठवा विह गलयाता ग्रहया त
ता धन विगुकाय मद् द्वातिगम हा रुत क कया धधक धकायू हल गुल लता शव विह
लाकयाता हा रुत ल वं का ध्वनया ना ख रुको थय निरुकायू विगुयिकाय मद्
विह लाक देव लाकया ध्वनया ना ख रुको ध्वनया ना ख रुको ध्वनया ना ख रुको
विगुयिकाय मद् ध्वनया ना ख रुको ध्वनया ना ख रुको ध्वनया ना ख रुको
कमलना छाव हा रुत कायू ध्वनया ना ख रुको ध्वनया ना ख रुको ध्वनया ना ख रुको

या विषयकृतया वसिकया पिणकार्यननुनिनियालि हायाववाकोलरकाय॥ अथवायहि
ठथासलिवाय लखवाय हिंथासमाल नकोरुलसा अपाव कागव अरुवलस नकलेन
हिल कोगविका अन्न सवकपविजननकाय॥ अथवायनसारुलपादय अथवाय सऊर
पिरुलाकयारुफिमरुव वाधुनादि पिरुशकोरुफि॥ वधुमदसा अकम ननगव अथवायति
रुलखस्य कायावरुयायारुलमद न्यायन अऊलपादय नाल अथवायति पिरुयारुफिरु
य॥ न्यायनदतसा प्रसरु॥ अमावालि १२ उततिथि अरुकास नवालादि उरुमवाकलकुण
माल ऊमतिथि ध्वसनालाल ध्वतमग्रदयायमतव अथवायति अथवायति विषयव
दविषवाकलतव निशयानिर्णतव ध्वतउरुमवाकलमरुत अथवायति अथवायति अथवायति
मालनागदिक्ता विधवाश्याव त्रिथयवकावाकल अथवायति अथवायति अथवायति अथवायति
सीकनख हाकलनि तवयवा मरुत अथवायति अथवायति अथवायति अथवायति अथवायति

नपि सूनवकनश्रदिन नसदशमिवक्ता दावतमदल मुनिगतवक्ता वाक्कलमानववृ
 नममादनप पूर्ववोत्रि अतिवाक्कादवक्ता पनकी रूख वैद्यवृत्तियाक अग्निहायत्याजलपूः
 वक्ष्मकी नजस्नागमन सदीमुकाव स्वधर्मता दतव थयिवाक्कलमतव ॥ शायकूलक ॥
 उरुमवाक्कलका द्वाथक्कुद्रकाक नाशियाकूपरुलवानदाव काक मुनिगकीगमतवथाथ
 नमवोनमस्य मासमतव जजमान धारित द्वाथक्कुद्र अद्रक्कुद्र कीगयातसा नगमूषसध
 यापितन लच्छिद ननकगवादावकुका लपीववाक्कलयाथवपितननर्क वाच्य ॥ शायक ॥
 धननद्वाथक्कुद्र निमकुयायमाल जजमान द्वाथक्कुद्रमका कलगा जजमानयापितनननि
 मकुयादनमवलसाधारितयापितनन नगमूष राजनयाय अद्रया ॥ शनवलदास्यकु
 नवियमाल यलथयमधगा ललानकतय अद्रधूनकविय हामलीतयलयायमतव मा
 लकूयाधुनिवायमतव तिसिर्यमतव अद्रधूनदावतिलिय तथलयाय ॥ अद्रयाय संश

कलकृष्णवर्णना (प्रसूतकृष्णगीला) ॥ देवकार्यग (गोत्रवर्णना) (गोत्रतीन) (प्रसूतकृष्णवर्णना) पूजा
दि (क्रितस्वाक्रितद्व) पितृकार्यवाक्रितिलि सफममृदुर्लभा कलकवा (वा) व (वा) यकाव कललवा
गदियाय (वा) या कलकृष्णलिकाय कलिकाय विस्वयवादि शपितृमादिशा देवप्राप्तनन्दिमखा
दि पूर्वमूर्ख ॥ पितृप्राप्तदक्षिणमूर्खवा कलकलाश्रुसंविद्यवन्दनाकृत पूजावकादिविद्यमताकृ
यकंतयादीप प्राद्वमधूनाल हिनकं कयकंतयमाल समस्तधूनकाव धवागहस्तनस्यायः
धनलिपितृलोकवानिव कलखवगकंतको ॥ वा कलकलकपितृमावाह न गभादिकाजध
नकाव सकृपमानधूनकाव श्रुनादिकाजयायधकं वा कलकनधाय कनूखधकं श्रु (गोकत्रलया
य श्रुत्रउकेगादिहागयधूनकाव पितृ (थ) हामलनवालाव कलकृष्णगीलायावध पितृपि
तामरु मातामरु प्रमातामरु विद्विप्रमातामरु रुजलपधसर्वा पर्वधप्राद्वयानं पितृपदया
तडा हादक्षिणा विस्वयवयाता सुवर्णवा कलकवा नताह सहाय प्रमकमादियावकमतवर्ष

र्थनायासरुध्र उकासपार्वध नादिमुखरुध्रतंग्रध्र राजनयावकं समस्तनकावदानिदा
 सादिधर्मनय लिथि नरालमविवर्कं धर्मनय कउक ववनज्ञायमनववाकणायिव सुग्र
 षावर्वज्ञाय ग्रंथतिनिपविज्ञानि दोहिरुक्कटपक्षिलाधवध्यानिशीनिविध्रध्र कोपाधगमन
 त्यला॥ ॥ ग्रंथसउाहापाग एष श्रीगुलि उहाविनूनमवतामनं एष ॥ ॥ न्तिप्रीमाकर्क (पुय
 पूनालेग्रंथकल्या ॥ ॥ मदानसाउवाव ॥ रायुग्नूलर्क ॥ पिरुयाप्रिय अप्रिय वमुकानंदेढा ॥
 रुविश्रवमुनरुफिलकिता ॥ मत्स्यमासिनरुफिनलागा ॥ मृगमासिनरुफिश ॥ गन्त
 कीमासिन वृक्षमास पितारुफि ॥ रुद्रदाऊप्ररुनि पादिमासिनरुफितागा ॥ सुकनत्रक
 नापखलारुफि ॥ कागत्रमासिनरुफिता ॥ कालसासिनरुफिता ॥ वद्यायालान
 रुफिता ॥ कोसदायालानरुफिता ॥ सुवर्णववनिनमनव मरुठमविधमसिखरु
 मासिनरुफिता ॥ साधतिदूसाधलरुविश्रनदाकिरुफिता ॥ ॥ धर्मासिसमरुहवि

शान्तादिन द्वादशवर्षहफि वशा ला (प्रष्टु गज वल रुतपा (प्रष्टु काल साक मधू म्मा वयाकाः
य पाशयाय (प्रष्टु गिन (प्रष्टु खं न पाशुन तर्ध लयाय जलपाश गया अश्व व उल्य रुतलाक श्रीश
पाश ख द्वा पाश उरु मना होत दय का पाश काल सा वथूवा खान वार्क न क्का दूर्ध्व कामलि गिन मू
न नका कवनि कोद व पिपीतिका धन्य पिरु लाक या न (प्रष्टु ॥ काला उनि मास रुत ठि मू मूलि
लाहा गभजित् पू फय गुल समस्त नि मिश्रा दिन सूक्त वसु वय गाढ मूक रुताना मव सुवाढ
न जव स कान वसु तव तीय दव रुता अदिन नका वधू वसु दूर्ध्व विनी विमूक लि वसु महिना म
थान ठा व धन म त व श्रुत्या य धन उधिया लख म त व म्मी न ज ह नाढ स्वय म त व पिरु या न ड
क ग पा वसु श्रु स र्वा पुनै सात ठा स्य यया श्रुनादि अश्व सम त व स नै राजन स विय त न ॥ पि
रु लाक या ती प विप्र वसु विय स न्या स न कं जा गत्या गीन कं पूजा याय पिरु लाक धि न श्रु स न
या व कं न स न्या सिन कं पिरु को र्ज स अश्व स धल किवा फल व स न्या सि क्का व ड ति ॥ हा मूल

क॥ पूर्वग स्वर्गसपिह लार्कधया र्वकानठठ पिरु ॥ जानायवधकं हुमल जीवजंकलसर्वन
ससुन्यासितकाया (नयन ऊपनिष्ठा विगुथयु ग्वतदय धकं ऊपनीतमादयाय धकं थाथम
यातसा गयास पिगुमा रुथयु ध्वनमूकिलाय धकं था ॥ रुता गलिला नाना मद्रयाय थार्थ
मरुतसाकपिलसाया दूदुन कीनथया वनव ध्वमदतसा ॥ कानलाकन तेनाटन्राद हाजनादि
रुषुमान मसि वद्याया लान थ (थया यूवशला थाथनरुफि ॥ पिरुया रुविना रुका वा धिवा म
नना ध्वनरुवि ॥ अयनय कसतद्या रुजाग कुरु कलि दूद ध्वन विषयनयाय ध्वनन लाठाम
नवद्यं जनादिठमनव ॥ जन्मा कनया यातक मावकं यवक्ता न रुरु र्धनसंगान वृद्धिया य
न पनरुसमा रुपाफयायन पिरु नाकरुफिया यन ॥ वरु रुद्रादित्य १२ कादगनूद ॥ यरुह
नकरुह पिरु रुफिन ध्वनरुफि रुन ॥ स्वताविधि अद्रयो ठाया कानधूना ॥ ठाद्रयद यप्रति
पदादि रुषुपद धा १७ धनला रुसिद्धिदयी धान्यादिवाधुधदिसिद्धि गफता स सुप्रफला

कमान्य रुक्मि अनेका धन्यादि दीर्घायुः शुभ विद्या सयः क्रिया निष्ठः शुभ कर्मादि रुय रुय पूज
वृद्धि प्रसन्नारु कलनाय क रुयः आयु वृद्धि धनिः तथा दसिजा दव दिवः अनादि रुलन तथा दनी
वउर्दनी कुरु अकादी रु धन अदयाय धउय नमयः पार्वत्य धर्मा ल तथा दनीया रुल धर्म
मावा सिकुरु धर्म अर्थ का म प्रा कषाफ ॥ धन दिन स अदयाय ॥ नक्षत्रा रुल कृता मृ ॥
स्वर्ग पाफि ॥ ॐ दुला कषाफि ॥ आ पूष धन पूष सयहि ॥ रु ॥ अक्षय्य पाफि ॥ स्वा वन ऊर्ज
रु ॥ वि पूष ता रु ॥ अतः अन्नारु पत्र सवर्ग पाफि ॥ अक्ष ॥ अन्न न ल हागी ॥ पूर्व जित की हि
वना ॥ अश्वि अश्व पति धन सव धन पूषा दिसयदा ॥ वः श्री पाफि ॥ अन्न न ति ॥ धव अन्न कुरु न
वदुता ना लाव कावार्थ रुय कषा न पिह दव कुरु उता दिन क गुरु सवार्थ ॥ पुष्य द्वा पिपीत्रि
कादि प्रहृति दासी दासादि हि कुरु गुरु सु धन याय धन मया तया व पाप रु ज न यात ॥ ॥
मूल कुरु उवाव ॥ हाता ता निर्यनो निर्य कर्म ठन ध ॥ आव मया वा न कर्म स सया धया रु ल

ॐ ह्यससर्व यत्र ससर्व नवा सहयु लक्ष्मीर्नमनाल तय कंख धनानमान् ॥ मदानसोवाव
॥ हायुगृहसु नथ वश्वाननाल तम नव गालतलक ॐ ह्यससर्व यत्र ससर्व नवा
नहयु आवा ननाल तलकाव सलक्ष्मीयादामाय आवा नक्षत्रिया तलाव नव वृद्धिहय धर्मश्र
र्थकामलाय ॐ ह्यससर्वीहय यत्र सवेकं नृपाकहय ॥ प्रथमसर्व नसर्वल यदा क्लियः
यकको वंशखलुक्रयाश्रुदहतीयाकृद् धधनस्रवाधयाव क्वानवाकृदयाता वियनवानि
त्यनीमेलिकापि धमनय क्वानधनवृद्धियाय लको नसर्वय याठ तय प्रतिवर्षधनयां यया
पमावकं न ॥ क्वान यत्र गयाता क्वान ॐ ह्यस्यां ता क्वान सलक्ष्मीयागार्थय गृहसु न स्वगाः
यायु धर्मश्रर्थकाम ३ ॥ धनमाकाथमख ॥ धर्मार्थकाम विधिर्वेनिग ॥ धलसा धर्ममश्रुध
र्मदहयायंमाल धर्मसंगननु निश्रुथलायु धर्मसंगनका मलायु धर्मनधनलायु धर्मनः
रुहलकावसुगाना सहयु ॥ आवा नयाय नासावा सदान नधलिछा वयाकाव सस्यतालगा

द्वारवर्तनमनव, मूत्रपूत्रीषयाय धामयसमनव, कृषीसमीपसमनव, ह्यातासमनव

वशासनसवान्, अनिदयकावधर्मार्थदयकविकल्पसूर्यउदयनक्षा, सखायाठाववमु
गाउतंनानिय पूर्वमूर्खवान्, मृहिका जलरुणकायाव, प्रकाशयाय रुणसंवासमनव, सौवया
यद्वादगगदुखननदककाष्ठ, कंगसंस्क्रानयाय स्नानयाय संध्यायाय गानकादतसं, अपना
क्रसंधि, सूर्यखानेदतठावयाय प्रागसंधि, धनगमिलनमनव, संधानसंसंधियाय रु, सर्व
मज्ञाय कोमुनं, सक्तुश्रुमुप्रहानमनव, श्रवधमनव, कथाज्ञायमनव, विकानश्रुमिहाराया
य, असससूर्यसायमनव, समालयाय वाक्रिलियाय दकधावनमनव, नजस्वनाम्नी, स्वयं
ज्ञायमनव, असस, नगनस, नाजमार्गसंतीर्थसमीयसं, सस्यदलमनव॥ पत्रम्हीनमस्यमन
वधमयाछपापपृथ्वधायमनव, नखसमंगयूनिवमनव, जलसम, नमनव, मील, तुलिकन
मं, दुनमनव॥ अतीस्वथलगमं, हाकलं, अतिमलवकु, धर्ममनव, अस्वि, गडोव, वेपतायि
नवानंमनव, अतिथी, क्कानि, समसं, नकालि, लि, थथमनय, नानिय, उगु, धायाव, नायि, पूर्व

[illegible]

नव दिनस उरु मसूरं नागिस दक्षिण मसूरं सीध स उरु नमसूरं सकितथाय स मगव ॥ थव सूर्य
गुन्यामन सविषादिकार्ययाय मगव ॥ तदा हरि वध कंधाय गुन निदाया कठन मगवः
उरु नक माल उरु नक म काल सा द्वासा न गिया व वान ॥ धव गीथ जल रु व झा फल राजा खाः
याव वव पणित गुर्विनी सा नव कव्या वव वक्ता निकर्था रुक व उ मरु वे स्या श्री बाल क प्र
नित वे द फा धव पूजा वा द धन या नाथ म विला व ली विय ॥ धवल अ मथा मूर नि मा गुन वि
या व न धन रु व ल न क्य ॥ ल काम मशा क्य पु न सान धन काय मगव य न म्नी मगव ॥ व
उदनी पूति न अमा वा न अरु मी वा द नी सुका कि न का द नी धन म्नी सी रा ग मगव ॥ न तथाय म
गव पा न तथा न मगव म म व वे द्वाय मगव कान्ति मगव अति वा सु मित व उरु न पूर्व मसूर
दक्ष व नी मगव वा व ल मो न या य रु न वि नू ला सा या य मगव ला सा म द य क वान मगव प
थि मरु ग न य मगव पूर्व दक्षिण रु ग न य माल गा धि म द य दिन स द न मगव रु ग न मरु

ह्येनममगव लासापाठनयमगव रुगमपेकायावतयनमयाकावकीणयायमगवस्तानः
 मयाह्यवर्तनियमगव नानावर्षुवमुनधूतिश्रदिन तखवदवमगववमदमगवदथंगय
 क पुयावमुननियमगव मारुश्रदिन तादवयूलनियमगव ॥ हितुकीकीणयाकाया स्वंकुश्र
 सोव ॥ गापाकथवलिकया स्वंकुश्र सोव यंकुनर्थक ॥ जिंकुलमसिमाकया जिमनंकुनसोव ॥
 पूरुजन्मसुसवीनस्तानयाय कालाखलादयाव कादयाववयू किङ्किनृपुवदाङ्किदयोव सु
 क्रनलोव ॥ काययादाङ्किनसपीन्दीकननयाया ॥ लकामयानविय स्वर्नवात्या ॥ न्यायनमर्थसा
 कालय ॥ हापुत्रमूलक ॥ धरुनितिथ्यायमाल ॥ जदउवाव ॥ हापिताहर्नवा ॥ धाथमूलक
 जीवनशयाव सकिासमससयावनाजकन्याविवाहायाकाव पितामाताया आह्मामानयया
 कावधानी ॥ मतधुज मीमदानसा पूरुपनिवानसहितमानयाकाव सुखनधाना कुक्याष
 सावसु सदानसानधला ॥ ॥ हापुत्रमूलक ॥ ययमूनकनाजासालाव कुज तपावनवान

नून॥ ॥ मतधुजीवाव॥ हृप्रियमदात्रसा तथावतवा नमनति तथावनवानढाव समस्त्याजः
लयमात्य समस्तनाजरायवाढावगथगाथ कुगालत्यमजीव॥ धनमतधुजयाववढढाव
मदात्रसाधिला हापुठकं ऊवडाहावरुला कुहागयाय जंगनीनसकुदवनी कनगुक्त जानिदुर्ग
धमलमूववरुलपूनीनथधिषीण कुसूखदवनी कुहागयाय रुनाजकुवुडरुलपलपान
ऊआवयामकुरयल्लदन॥ ॥ मतधुजीवाव॥ हासुन्दरी कीजाति कुत्रुतिरुथकाय कुधयाव
ववजकमलावा॥ थाथधयावमदात्रसाविकलपल सासिममतधुजन कीहागनालनमरुगाथ
समाजयनधकी विकलपाव गुलिकिर्तनीनवाना कुद्रयाप्रकावस प्रकावदयकावविशाल
मदानसान पुनूषवस्तुगियाव पत्रिवाव हागदयकाव मतधुजयासहावाढाव राजायाकयलाम
याढानवाना थूपूस्वयावनाजधिला कुर्यंगनविया कुगात थापाल कुयाढाधकं ढढाव विदसिः
रुषनधला हासहागाज सफेदीपष्टन अपनी सउद्यमगुल कोमुकविद्या ॥ ॥ कुजाल आदिमून

कएलसया कलपालन विरलसा कृयक कलाना ॥ राजोवा ॥ अगुल वक ॥ अदुजालखयथा म
थानककाधकं गुलिनलालयला आवनाजासमागमसय ननिमिडिन निडाजालयार्ग समस्तलाक
यानिडाहया वंदान अगिकलरुला राजायाका तथागस्वप्रविला गांधधकंधालमानगत्रवाहि
लीसवाठाव पाटिवाया समीपस्वाठावधला रुसुन्दरी मदनया प्रगितानन अपिजायाता अ
गिन्नुलरुला कंदयानगीतलर्गम अलस्त्रानया ठाथेतापमाकंधका अलिगलपावसा नाथाथ
साठाव पाटिवा विस्मयवाया वधला रुमलानाज अगंध अजा गवा अत्रिनी कलपालकं पिथ
थिंठाल कलपालस्य गांध अग्रीन थिला राजाधला रुसुन्दरी नवजोवति अवर्चकमया तसा अजी
वककारुया विय निधय थाथराजधिया अतिरुध ववठठाव पाधिं वधिला रुमलानाज सफ
दियलन कलपालन विरलसा अमाम वव्याकं अस्त्रकाया ववय धकं अस्त्रकाया वनाजान
धला रुसुन्दरी कृविनून निमस्त्राकमार्ग जीवधललपं मरुया सदर्मदू कवर्तसर्गते कन

मामवव्यकं जं वयधकं वा गुलसा गृहसदृहायाव सा ला श्रुतकरा थायाल वलवि साहात
याठावगया स्वताथाथ श्रुनकेषीना सा सन स्त्रीरूद्धयादावर्था पाधिर्वाधवमामयाक श्रुद्धाकार्य
व जगधतनाजा पाधिवा नक्रा स्त्रीपूत्रपश्याव गुलिक्किर्नका लवार्न लिथपूत्रपूणी श्रुनकदना
सिर्कमदीक पूर्वमदीक दासकृष्णाव्वथव्वथाथयांल कृष्ण्यादिनस् जगुत्रववृनिद्यावमा
मसतिवाना गुलिक्किर्न दीनतलि स्त्रीयासनीनस् श्रुमिसा न नागकियावर्था वालकमावागा न
वक्रादव थाथव्यमद राजाधिमव्यावधान्य मलमूत्रनथवगरीनसलवकावधान्य स्त्रीः
यामलमूत्रथमससा लयादावयन सिचकीव थथदूरतयाव वालकमावागा उक्ताथाय
उक्तानियधाय उक्तीनाखगा न उक्तीविख्यायधाय थाथमावागा नूनल यस्त्री नूनलयथथवा
लेकृष्णावालकाधला अपिना जगधज जमीसमा म नागपीउत्त प उपायार्नमदू कृतजाथ्याव
नका जमीसपेयागा खालाव लालावधानाथथवा नदार्थ नागीनथवसनीनस् विद्रविपनीन

खादावज्ञाला हापठुधवालकदकाकुनप्रतिपालयाकपालवधवाहायाकधानदासीकुम
त्यहलधसयावददयगसगसहप्रवर्ज्यातशकरागगनगहलालिथधनाथधर्मवि
र्यायाठावस्त्रीयागुणविकलपावहाहाकानयाठावभूतसहस्रकालवालालयाताहाकुक्क
विन्नजयाकाग(थवा)नमावागाग(थल)हियधकीनानावन्नन(थक)गावधवस्त्रीधर्मलक
क्रियावमसानयठावअग्निसंस्कारयाताधूनकावधवकुवयधवाल(थमा)वाभायंडुनका
वधीठाधकांथ(थस्त्रप्रज्ञयावलिथ)कलवायावमिखाकाठावसांयान(थिर्यायमरुह्यहा
हानहालावखाविवयकाववीनाधवलससमस्तलोककलवायाववपनाठाववयावध
धर्यक्रपाथथिनसंवाधकांजाआवकायस्वकशलाधकीसूनानकुंधायमकातसवानाथ
(थरू)दालकीठावनाजाहसमानशयावप्रसादवियावकालावदकायावमदानसानअक
पूनीसवानवाना॥नाजानलोकयार्तवदावियावथमदूहाविष्काठावमदानसायाकधलाहा

क्रीमिना नसा कृतक्रपाधयावर्व सत्यखव सतिनमूना नसा न कृतादव सादमाखव दश्रुवक
नधाया (र्थ) तपावनवाननिधयशलाधकी ॐ दुजालखप्रवृत्ताकनकाकाव सदावसान जिव
खन्धकंधायाव ॥ अलर्कनागासालाव समस्तलाकी धलवज्ञायाव धूपगियावनवाना नका
सर्नतययाकावधाना ॥ अलर्कनागायाकाव लोकी श्रुमदंठ लाकाशयी नरुयाधकी मा
मयाकंधालवाना ॥ ॥ मदानसोवाव ॥ शयूधधजश्रुलिक्कपा नवधमदतकावजविभवा
(र्थ) धश्रुलिक्कनलाहातसर्वाताल विधागदूखमद सुनान कृतम्राश्रुलपमकाल्येध
वमुंजविवाहासंपूषनविलाधकृताकावधकी विस्तर ॥ मदान वधायसगवासी मल
धीवाना ॥ अलर्कनथवपूष (र्थ) पजप्रतिपालयाका सफदीपयगिव लयाना दुखजननिग्रह
याता अनेकयद्दानयाता ॐ दुखला धर्मवृद्धिजागकर्म सकर्मग विधिपित्यावरुषमान
धाना अलर्कपूष ॐ दुखलाथाथसिहानयासखयकी दुखला वयला समस्तया निवृत्तियाग ॐ दि

जयलपला थार्थसर्ववाल मदाप्रसायायूय सूवाकनधला दूतकनकायधनसविलपला य
नयानाविकनामयाक धनसविलपाया कूपयाजन सुगर्ह स्वमयवखमभकं गुवाकन अ
लर्कयाकदूतकास्यहिला ॥ ॥ दूतउवाव ॥ हा मूलक कंदाहसूवाकनकास्यहिला धनाश्रगा
दतमालधकं कयाकात्यामख अजगधजयाकायथका गालनरुलसागालनिधकं ॥ ॥ मूलक
उवाव ॥ हा दूत धनाश्रगा लगाव कयाविय जमामवव नवियाना म् काला विउं सप्रमवाहिक
वियमख अनरुल न धालसा समरुना र्कविय मूल धालसा वियमख धनठठाव दूतनस्वा
कयाकंवाठावकाना धठठाव सूवाक कानिनाजा स कंवाठाव धला अहावक कंखवला धकं
निनाजधला खवखकना माला धवधकं धयाव सूवाकनधला जना सैन्यरुकि म् स्वनथं
यादि मूलकदलकुावकाव मूलकयाकं ना म् रुलथळावयून दग्यामजयलपाव धवव
साया हा व दूजापिजामदयको वनयधकं धया थर्धलकुाठाव धिप्रययागा थनदिहिर्क

याव दंनवासीला कपिहावला सुवाहनधला श्रुलकथववसामरुगाल दृष्टविवियधकांरुनदः
खविला धनाश्रयाला कद्रुहाहवागपीठलपाव श्रुनकदृष्टवनला श्रुनकनाश्रियावमामेहा
हालमाहाव स्वसिवावनयावकाव सानयाहाव श्रुगुलिसमामवायाश्रखलस्वयाव आनद
याहावहाला ॥ सङ्गः सर्वसिनात्याश्रु सर्वलकुननश्रुगाः सङ्गिः सदेवकरुर्ध सङ्गः सर्वादि
रुषज्जी ॥ संगमनव संगलदतमरुत्ता ससंगयायधकी श्रुगुलिग्लकथादसायाव रुनकु
पदवहाला ॥ कामः सर्वसिनाश्रु गङ्गा उतसङ्गत ॥ मूमुकाप्रतिर्लकार्यं श्रवतस्यीपेरुव
ज्जी ॥ कामयावागलवेनाश्रु ॥ धवेतनयाहावपापिषुनता संगिव कामवनदृष्टरुलाधकी
समस्तगीताव विकलपली ॥ श्रवगतावानदगुलियवसंगयायधकीनाश्रु म्नीयुगादिहलता
ज्जा(र्थ)गीताववाहथनादद्रागयधयाश्रीनकादिगुप्रलमयाहावधला हात्वामिऊकाम
नूवनदृष्टीरुलव ज्ञनकायायमाल कलपालनसनन ज्ञवसमकामीमदधन म्नीयरुदा

न समस्तया यधुना थथीठनूवज धननजदू४खतललप लधको॥ ॥दछाग यउवाव॥ हाअ
लर्क सकदीपध्वनक कनदू४ख कननीनसदू४खशवमखावा कुरताधको॥ ॥अलकउवा
व॥ हास्वामि लारु मारु काम कोध थर्प अधिरुत १ अध्यात्म २ अधिदेव ३ ग्रहपीठादि धनपूजादि
विनाशममनगादि थर्प थर्प दू४ख थवक दवधक विकलपत्ति थमधिकालधक धला॥ हाद
छाग्रय धननज अगूख पृथिवीवायु तज अकाश अग्नि धतवाठमस्या आगीनधला गनीनस
दवधक कननीनधला गनीनस दवधक दू४ख गुरवनधमथीवधक गारु मारु काम कोध हिंसा
अरुकाप धखगाग (थमाय मनसदू४ख वायु धमन निप्रिकानग (थशयु सिकथग (थठान्य
अरुकापग (थनक शयु मनग (थस्त्रियाय नाशयामायास अतिनूव नाशग (थकर्मिशला
अर्थ नाशलाटा दलुकरीत जमनरा गुवाक गुरुल कना धग (थथीनयाय जददासूवा कनन
कयाठाव धयाह लउानस्वर्जलाय धयानिनग (थधलावानजदता अथयाठ प्रसन्नशय

मालधर्कः॥ ॥ अलुवाव॥ शपिताहर्गव॥ दद्यायमपिसकं नमस्कृत्याहव शूलकं न ध
रां ससितानसागत्रयदलपाव श्रुतगदृखनपीठलपवाका समर्ककर्मन अयू अंधन अ
नाथधर्कवाका थाथरालपातवदृख धविकनानुश्रवमदू नित्यरुश्रुतदावगुश्रव दगमाश
नजनरालय रुमा स्त्रीनयायमरुया दलीवूलध्ववूल कानन निनरुन स्त्रीनयादाववानः
रुयकं कानमालधर्कः॥ ॥ दद्यायउवाव॥ शशूलकं रुंधयाखंसत्य स्त्रीधनादिना अथवरु
लपां दृखयाहा समर्कं हलरालपां दृखनाश्रुयू कनममलावृद्धिधमावकाकं लिमल
निया हायादाव सिमाथयाथ ननीन सात्मनी वृद्ध प्रयाजमदृद्ध रुलं पृथं वृद्धं असा न ध
नदं गकृता अयदगा सीमलसीया यूपियावतयाव धप्यानाम श्रुं कान धयावूलि मम
हावृद्धि कवागृद्धगादि हलस्त्रीयू वलवलधर्त धनधन्यादि धपय दांसदां सहाहाय
न्यूरु नंददयन्य धयापृथ पृथ पाय धया स सुखदृख धसिमा मायूरु उ नमार्पदि जं

उवासायादाव विधानतया वधस्वीन कील जायल पाव धन दू पाव श्रुत्य काल नीमाय धनार्थ
 धन गरीन कामी दूर्जन धका ॥ धर्षि संग नागदाव दूर्जन हाका केलया बुद्धिन पाप या पातया काव
 पाप लायू धपाय सत्रीन नीघुनीमायू सिमल सिंग ना प्रकाश धया का वासला कसुख वाच्य कर्त
 पदिकि गादीन कृताना मझा काव समुद्र तल लय सत्रीन सात्मली वृक्षया समकला का पाव विविय
 नाना उपकाल धर्मा दिया काव लिथि रान हाका कथा नन दंदाव नाग का काव सीसा न हाका
 साग नन ललपे रान हाका काथा नन वृक्ष कंद लपे रुव धया जमल रुल ॥ पदिया खिवा
 न जायल यू किटन कूय कंवां पं धया जमनि रुल ॥ रान कथा न धाय गुन धवू पं ला हा वा
 य सूर्जन संग धन रान खर्जन लाहा सवलती द्वा रुयू धल स की पूजा दि निरुहा रुयू ध
 खर्जन नीनीन कंद लपाव विष्णू नी वा निव धका या वीरि मिर्ग म दू रु धा रुषा सुख दू रु
 समस्त सम धका था य स वा न वाच्य नीनीन स पक्ष तर्का या फया काव वा धका ता मि दू धनी

[illegible]

यन्मसमस्तयाकंदव धगधमावकं मवधाय कृज्ज समस्तं हि नमद् विरुस्व नृप पत्रमा
लाहि नमस्व त्रकवोत्रियाक धगक्रयाकं मित्रयाकं मधमयोकां पत्रमात्मादव धृष्टानक्र
पागधे नदताधकं कृतधाय कृसकलसनं मृतकलां कामावकव मृतकदृष्टवनकव जनमृ
नकदृष्टवनया मृतिमृलका रुयाव जमिसाया रुषयादाव वंसवादाव दलानय सकलनन
वादाडा सदयान जनधमनलादा कृकृकागक्रजयलपावकाय धमनकां वानेमालिव
थवदरुसर्वागक्रजयलपरुतसा सुनसस्वधाफरुय धनदृष्टाव कानिनाजन काकुदा
वक्रधाय मरुसंधाना सुवादुनकिजा मूलकं मालिगलपावधला ॥ ॥ मूलकं दिव्योय
रुयमाल मनीवाधुसिद्धिरुयमाल हाकानिपतं कृवाठरुया वधनायकजयलपा कृतजक
र्यसिद्धिना कृथवनाय विष्वाकृतं जवनवानं धकं धृष्टाव कानिनाजन धला हा सुवाद
जनकं तं लवलायाव थवजिर्व नायकलपाल सधकांधया कृकिजाजयलपाव कृनायः

ध्वानिव घाललावकाव धनहिता न विव ददकानयादावताथव धनदूता निव
॥ धलहिलं बकि धनकाय ददतालं वा सवाका ददतालं लका वसमवातसा धनगर्ह
सवकिता निव खाला सगादा आला सलका वसवातसा धनगर्ह सतानमरु ॥ वसवा
दा ध्याता ॥ सुदिनिया कद ध्याता मविलसा धनवकिता निव ॥ ध्याता मकिपा स
प पलका निमपय धर्तकथं दाव कुन पिदायाव कादाव वाय ॥ स्वयं दगाया ॥
कि को सखा पा वमुन नित्यकाव धाम सतय धवल सर्व सवानिव काद प्रतिमा क
सदतदाव ध्वानिव रुषू प्रतिमा दतदाव धमवा ॥ यद्ग्यान लि धूप या नतिनत
तदाव जिम वक्राद धनिमरु ॥ धपनी स पनिव र्ध धर्म कीन पुनूषपी जया यव य
नूषन मुपी जयाय ॥ अउ हारीतीन कीया न जय निव धमन तला सला अउ मरु
यव लसवदाव धाननाव अयकान मरुतु कीहा ल हा लदाव नऊ वव मउ सय

धननवम्भववा॥मउवाज,रुनितीन,विषनीतकीअसवीअनकाधननयूव॥धपूजा
 मयाताल,गर्हजउ,रुनलपयू॥मीयाअनकनकावलकावधदवस्यय,धयाभाति
 अनकदेव,वाफनपूजायाय,बुद्धिलस्रानयादाव,दानविय,दवखातस,स्रान,प
 र्वकालसस्रान॥वफनस्र,गो,जायका,धिस्रानयावक,वेद्यन,नकावासलन,भाउ
 सववकी॥प्रतिरुनिकान,उमरुयायूव,धतइलकाव,धपूत्रव,कंठावतय,कृक
 मदलतय॥अहमी,दवनी,महा,रुयकन,मीपूत्रव,नफाद,पीअयायूव,पार्ति,विग
 धयायूव॥धयाभाकियाय,रामयाय,मधू,दुग्ध,घल,तिल,धतयाकयादाव,अश
 रु,नसरुमु,आदु,तियाय॥मजायक,जायदुव॥अपीति,पीतिइयूव॥अजिमधूक
 द,ददा,करु,मीपूत्रव,इली॥धपनीसपूरी,इदतका,सिका,पूरीविकल्पा,कलका
 शविकल्पात,नीकल्पयात,कलरु,कवा,दयार्ग॥॥उकिपूरी,अवद्धा,मिध्याववः

नक्षयकली॥ ॥ अथ वक्ष्यामि विकल्पा विनाशक लक्ष्यान् पूजा मया तदा व गुरु सकल
रुदयू॥ विकल्पान् कृतुं मया स्यायुः सशिवमशिवस्वस्वायाव॥ ॥ अथ वक्ष्यामि विधि
कार्त्तव्यकयूऽया मजि व ध्यामजि व धर्मा॥ ध्यामनि दूद धनं पूर्वा मधु
होतु नाना आकृतिया य तन्मा सगं मजा कयाती विय॥ ॥ सवित सागत्र मूल
उक्ति या पूज॥ कालजिह्वा मृत्पूज कालनिकत न दन्त काष्ठिया पूज॥ पत्रिवर्ह्या पू
जश्च विभु विक्रय॥ द्विज विक्रयश्च पत्रि सवास वृक्ष पुत्र लमा पर्वग सवास गन्धि
नी मृत्तश्च तन्मा पूजाया तदा व ध्यामि साया गन्दिनी ससव वृक्ष समादा व ध्यामि लक्ष्मी
विया व मृत्तिया पूजादि दयूव॥ पत्रिवर्ह्या पूजि श्रवलि गुरुध्वनि लि श्रवलि न
गुरु सवादा व मृत्तादि जीर्णयायूव॥ गुरुध्वनि तीन मा वाह्या व गुरु सवा निव॥
ता मृत्त पूज सवाना कार्त्तव्यवमाल ३ श्री कृष्ण लक्ष्मी व ३ शिवा ४ गुरु ५ उग्रक दन्त

दानवनकालं, मृत्युस्थं, त्वान्वाहनं दूतं, काननं त्विवाखवाहनं दूतं २ निरुक्तिदेव
न उल्लेखः ३ अविनष्टं ४ यमस्य किपातं धीकृष्णकालं ५ धपनियं गयं गलुतनीपापि
धतनपापयानिहलं ॥ ॥ हों को हकी ॥ गवर्गपूवर्गवनदावमरुकासं धपद्विशत
दावमननरुय ॥ ॥ धयात्मा क्रियाय ॥ गुरुसंशतसा गुरुया गयाय माला ॥ गीतमन
लसा स्त्री, शृङ्गपूयनास ॥ स्ववस कपाटदनिमहिठ धदा फलं कृतं शतसा स्त्री पूव
यमनन ॥ स्वकं शतसा पूयमनन ॥ नक्रं शतसा स्वकमनन ॥ ॥ गलुहताया पू
वविष्टं पूयमरुती ॥ विष्टनसमस्तनयादका, नृनादिष्टं, विष्टाम्पयातं मरुती
नविष्टाम्प, पिष्टाह्यरुयव ॥ विष्टया स्त्रीमरुती, धया पूयस्य मन्दूकका, कृत
नीष्टय ॥ पूलानदा उधिर्वजामी ॥ सयस्यायमनव स्त्रीया गलुध्रावशय ॥ कदुध
यस, काक्, याद, सयस्यायमनव धननसस्यायमनव गलुध्रावशयव ॥ धव

श्रीमंगलश्लोकव संधि समय सकुर्वन्काव काङ्क्ष सपर्यमन्दक श्रुतयातवलि वि
या॥ श्रुत्वा दिविय विवृव सङ्का कित विलसा दक्षिता सपर्याय रुयमद॥ धर्तदृष्ट
रुयावस धपनिम्न हिनकी पूजायातदाव दृष्टमदत पूजामयातदाव श्रुनकद
खविम्व धपदि जलोक्त वापलपा॥ दवादिदृषीजयाती॥ धर्तस मूक जङ्गलसी
पूजायायमाता॥ ॥ रुकोरुकी॥ धर्ततामसहृष्टि॥ ॥ ॐ नमो श्रीमार्का (पुयपुना) ॥
दृष्टसद्वर्त्तामसहृष्टि॥ ॥ ॥ मार्का (पुयउवाव॥ रुकोरुकि॥ धन द्वापा
यातामसहृष्टि प्रचका वक्रासहृष्टि जलपा॥ धर्तलि नृपसहृष्टि र्वकन वामा रुकन्यम
सनक सनदन सनागन सनकुमाल धर्तदयाव वक्रानसहृष्टियाव वकी धपनिर्ह
ताव सहृष्टिमयाक सहृष्टिमयाका वक्रावर्त्तकाधलपाव नामिका रुगलपाव गारु
वपुनकनय साकाव महागदनहालाव समनूवलकलयली वक्रानधालर्कि

नमो दनयादा ध्यावा व वालकन धाली ॥ हा वक्रास जनाममदयकं वा नमजिव नो दनयाय
उमालधकं धायाव वक्राने धालं कननाम नृदधकं पुनः वक्रासं कयमानयादा व सफ
वानमो दनयागं धना वक्राने धालं कनकं जननाम न लमददा निधकं धायाव नाम कुलनू
दा ॥ रुव २ सव्व ३ ॥ नीलान ४ य पुपति जरीम ५ उग्र नमदादवटा ॥ ॥ हा वक्रासं वा जनामध
ना जवान धायगना वा नथममदना ल नो दनयाय धकं धायाव ॥ ॥ वक्रावावा ॥ हा नृदम
यमे तुलस १ वनू मूर्ति जलस २ पृथ्वी सं ३ मृत्ति सं ४ बाय वस जग्राका सस ५ दीक्षित वा क्रान
या मनी वस १ वनू मूर्ति जलस २ धर्त धाय विली ॥ ॥ धर्त लिह नं ज मृत्ति मदधकं नो दनयागं
धर्त लिह वक्रास्य न मृत्ति जल पलं नृदधी १ रुवानी २ सव्वानि ३ नीलानि ४ य पुपति जरीमा
५ उग्र नमदादवटा ॥ धर्त मृत्ति विली ॥ रुवानी २ सव्वानि ३ नीलानि ४ य पुपति जरीमा
५ उग्र नमदादवटा ॥ धर्त मृत्ति विली ॥ रुवानी २ सव्वानि ३ नीलानि ४ य पुपति जरीमा
५ उग्र नमदादवटा ॥ धर्त मृत्ति विली ॥ रुवानी २ सव्वानि ३ नीलानि ४ य पुपति जरीमा

धर्मी॥ ॥ धर्मीर्लिहर्नं ऊष्ममवाधकं त्रादनयादाव॥ ॥ वक्रावाव॥ वक्रानविली॥ न
नेधन॥ ॥ १७ क२ म३ ल३ क३ म३ ल३ ४ स्वर्गज३ संताप३ उ३ म३ न३ ज३ व३ १ व३ व३ ८॥ सूर्यादिमूर्तिर्यापयकं
॥ ॥ लोको वृकी॥ मूकमूर्ति वक्रनातिकानतवर्कानुद्वन दक्षयापूरीसगीविवाहयाग
॥ धर्मीलि दक्षस्थनयक्यादाव नूदमवादाव सगित्वं श्रुतिमानन दक्षयागयाठाव हिमा
लयपर्वतया मूी मनका पर्वगया कं पूषीयादाव पार्वतीयाजमशुली॥ धसकनिष्ठकिंज
मेनाकपर्वत॥ समुद्रा मेनाकडा मिश्रश्याव त्रकजीवधेशुली॥ धर्मीति वक्रासवा ना
नदसडा यत्नन नूदसवा पार्वतीसवा विवाहयादाव पूषणागशुली॥ स्कंद१ ग१ ल१ स१ व१ ग१
विष्णुता२॥ धर्मी मूी पूषा१॥ विष्णुता मूी पूषा मृकन्द॥ मृकन्द मूी मनस्विनी पूषा वदनिना
॥ ॥ धानया मूी धूम्रा पूषा धृतिमत्त१ उत्पन्न२॥ धनेर्कसंभूतकं पूषा दत्त॥ नानीच जमीस मूी
मंदूति पूषा योर्मासा॥ योर्मासा योर्मासा विजजा१ पर्वत२॥ श्रुतिना जकिया पूषा पसगा

सितिवा २ क ३ नाक ४ अ नू म ति ज ॥ ॥ दक्षस्य पूणी अना वि या अग्नि सवी र्शन पूण श ली ॥ स्वम
 स मा ॥ पु वा स ॥ दक्ष ग य ॥ पु न स्त स म्नी वी ति पू ण ध या वं मं द्रा य स्या र्थं पु वं म नू या र्थं कं
 न ६ ८ ॥ पु न स्त स मा व न्य म्नी क मा ध या पू ण व द म ॥ वा ले च क म हि म् ॥ ॥ क ६ म वी स म्नी म
 मि या ध स पू ण वा ले खि त्या पि अ स्त नी ति स रु प्र मा सि य सी न जा न द क्ष धि मा दि धे जा न ध नं ६
 उ च न ता ॥ ॥ व नि ष स म्नी उ जा अ र्ध नी द वा व ध स पू ण कि य त्ति १० उ च न ता ॥ धं द्र स कं
 व क्त पू ण ॥ व क्त पू ण अ गि ना ध स अ नि स नू प म्नी स्त रा पा व क पा व मा न र स वि उ ज ला मी न ४
 ध प क्त अ नि ध र्मा अ र्थ का म मा द ॥ य ह १ वा उ र्ग न र्हा दि ३ वा द वा मि ४ ध य ता वा ८ ॥ अग्नि स
 स ता नू य श लं थ म पू ण अ नि स क ल न पी य गु क्त अ नि ४ ॥ ध अ नि न अ नि धा ला अ कि र्ध द
 सा म य पि ह ग न उ न र्थ वा स अ नि या पू ण च उ य का न ॥ पि ह ग न पि ह मू ख अ नि द व पि
 ह अ नि मू ख वा क्त न रु का हं कि ॥ अ नि मा क्त ए य पु ना ल नू द स र्ग ॥ ॥ की दृ क्त वा च ॥

हामार्क (पुयस) कलपाल ह्यनस्त्रायं तु वसन्त्या जन्मकंठा आवधया खं विस्त ननकं
न॥ सफर्वि युग राजा दवदु स्वमेमन्स स्वमरुल कोहन॥ ॥ मार्क (पुयस) उवाव॥ शक्र
दुकिं ६६॥ वडयुग क्रयकुरुगन सत्तक नकाय॥ पूर्वमन्वना स्त्रायं तु वसन्त्या विव
उरुम ३ गामस ४ नेवग जवाकुष ५ धनवना॥ आवधयुति वैवस्वतमन्वना॥ सावर्णिमन्
८ पशुशोत्य २ नूडसावर्णि १० दक्षसावर्णि १॥ बुधसावर्णि १२॥ ॥ पूर्वस स्त्रायं तु वसन्त
५ प्रिगवरा १ उलानया ५ २ पून २ नृपू १० पूनी ३॥ स्त्रायं तु वसन्त्या वगन सफदीपद्याप
लया॥ धनलि प्रियवतया पूषा १ पूनी विना सफदीपदयकवलस दवन वीना धकना
मक्या॥ ॥ वदु ह्यर्थ प्रकासमदा धवलस प्रियवतया नथनढायाव कलाव सफदीप
रुली॥ धनावक्रालवियाव गदा धके मयायमगवधक॥ वीनाता सकन्याया पूनी २ पूषा १००
धनवक्राविरुयाव सफदीपसद्यापलपं रुली॥ प्रियवतया पूषा १० अग्निश्रु १ अग्निवाक २

सूक्तं ३ मध्यातिथि ४ वस्तु ज्ञानेति धनं ५ अतिवक्तुं सधनं ६ हवैः पुत्रगण ७ धपनीकृत
क्रियाणां सफदीर्घकृतक्रियाणां विली ॥ स्वर्कथागमस्यासी ॥ जम्बदीयां स्रद्धदीप ४ सात्त्वदी
पतक्रिचि अग्निवाह २ साकदीप ८ पुष्कलदीप २ ॥ सधनपू २ पुष्कलदीप ॥ ॥ रुवपू १
साकदीप पू १ धनं जल १ सुकुमान २ कुमान ३ मनीवि ४ कुसुज १ म ३ मयकी १ धदीपक
सवाथयावं विलं कां यया नामन दवयानामयाठावा ॥ अतिमक्तया पू १ कृत १ कुशल १ म
मू २ गन्दी ४ ३ धनं ४ धनकानक १ सुनिस्तु ३ सुव १ धनं पू १ यानां क्रिचि दीपकृत सवाथ
यावविया दसयानां मथवधवसनाम ॥ ॥ अतिमक्तया पू १ कुशलदीप १ धनं ३ हि
द १ धनं २ सुव ३ लविमान ४ धृतिमक्त १ प्रथम ३ पिगल १ पू १ यानां मदीयया ना
म ॥ ॥ वपू १ मक्तया पू १ सात्त्वली दीपया ॥ पू १ स्वत १ रुवि २ जीसूत ३ राहि १ ४ वेयूत
जमानस ३ मदीधन १ धवनामन दीपयानां ॥ ॥ स्रद्धदीपया मध्यातिथि या पू १ सा

त्रिमयेसितिनश्सुखादश्चानन्दश्चितिवदन्दीमकडकुर्वन्तदस्यादधनाम॥ ॥ जम्बूदी
पया, अग्नीध्रयापूज्यवक्त्राउत्पद्यताउत्पद्युक्त॥ अग्निध्रय॥ अन्तमिदं किंपूज्यश्चरुनि
वलित्यश्चन्नावृणोतिनद्युक्तुर्लुप्यस्वर्कडमाल॥ ॥ जाम्बूदीपनामडीवर्षवाउत्प
नामध्वपनिष्काजम्बूदीपनगुवाधयाविली॥ ॥ कोट्टुकिउवाव॥ ध्वयाविरुनेककृन्
ठनययाधयावर्कड॥ ॥ हिमालयनय्यसुखरुमिस्वरुवनयागी॥ ॥ पूष्यपापमदा॥ ध्व
थायससिकयाउत्पलिममाल, सर्वकालेयोवन। समस्तुत्पद्युक्तुर्गमिमाल, यदुम
उममाल॥ ॥ अग्निध्रयापूज्यजवरुध्वसपूज्यसनरुध्वसपूज्यसोमिगुहान्पूज्यप्रम
सुवकतीर्थसगयार्त॥ ॥ कुरुयापूज्य॥ ध्वतसमलर्करुनतध्ववाहिक, पूज्यगय
वडाव, कुरुनामखगुरुनगहान्नाश्रयागी॥ ध्वरुनतसनामनरुनगखगुधाली॥ पूव
कालसकुरुवर्षभाली॥ ॥ रुनतसपूज्यसमनिध्वमालाध्वसमनिनाजासालावरु

988